



वह अंश जो कभी लिपिबद्ध नहीं हुआ

FERDINANDO FREGA · GILLETTENARRATIVE · GILLETTEVATICANO · 02/17

जब वह पतरस से मिला तो उसने कहा: इसी चट्टान पर तुम मेरी कलीसिया बनाओगे। इतना ही बाइबिल में दर्ज है। बाक़ी बातचीत कभी लिपिबद्ध नहीं हुई। वह गोपनीय स्तर पर ही रह गई।

जो भी मेरे पीछे आना चाहते हैं, सबका स्वागत है। कोई बहिष्कार नहीं। कोई वर्गभेद नहीं। पर हमारे सहयोगी — वे जिन्हें नेताओं को खुश रखने के लिए रोज़गार दफ़्तर से भर्ती करना पड़ा, और जो दाढ़ी नहीं बनाना चाहते — उनके लिए मैं तुमसे कहता हूँ कि विशेष रूप से बने धार्मिक संघ खड़े करो। ऐसे संघ जो दिखाई न दें। ताकि वे हमारी छवि को नुक़सान न पहुँचाएँ, और हम शब्द पर गहराई और विश्वसनीयता न खोएँ।

अब हर कोई अपनी कुर्सी से उछल पड़ने को तैयार है और कहेगा: यह पागल तो ईसाई आध्यात्मिकता के सर्वोच्च क्षेत्रों को भी छू रहा है। यह खुद को समझता क्या है। यह पागल है, झूठी कहानियाँ गढ़ने का रोगी। पर आख़िर यह है कौन?

जवाब सरल है और मामूली लगता है। बस कोई ऐसा, जिसकी आप उम्मीद नहीं करते।

Ferdinando